सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 49 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 23 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

चाहे जिन्दगी जितनी भी कठिन लगे, आप हमेशा कुछ न कुछ कर सकते हैं और सफल हो सकते हैं।

-स्टीफन हॉकिंग

जितना खर्च करते हैं उतना जल... 2 | लोक सभा चुनाव पर नजर, खुलेगी... 3 | कुशीनगरः जहरीली टॉफी खाने... 7

तेल और रसोई गैस की बढ़ी कीमतों पर संसद में संग्राम

बढ़ती महंगाई को लेकर विपक्षी सांसदों ने मोदी सरकार को घेरा

» कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

» लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर विपक्ष ने आज मोदी सरकार को संसद में घेरा। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ी कीमतों को लेकर संसद के बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। हंगामे के चलते राज्य सभा और लोक सभा की कार्यवाही बाधित हुई। कांग्रेस सांसदों ने गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। आज लगातार दूसरे दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। बजट सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस सांसदों ने मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस के सांसदों ने एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को लेकर संसद में गांधी प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी होनी ही थी, चुनाव को लेकर इसे रोका गया था। चुनाव खत्म होने के बाद कीमतें बढ़ा दी गईं। कांग्रेस सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने राज्य सभा में नियम 267 के तहत महंगाई, ईंधन और एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों के मुद्दे पर चर्चा के लिए निलंबन का नोटिस दिया। महंगाई को लेकर विपक्षी दलों के हंगामे के बीच राज्य सभा को कुछ देर के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं महंगाई को लेकर विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोक सभा की कार्यवाही भी स्थगित करनी पड़ी। गौरतलब है कि मंगलवार को टीएमसी, शिवसेना और कांग्रेस ने ईंधन की बढ़ी कीमतों को लेकर चर्चा की मांग की थी। राज्य सभा के चेयरमैन वेंकैया नायडू ने विपक्षी सदस्यों की मांग को खारिज कर दिया था। इस वजह से कल भी राज्य सभा में हंगामा हुआ। टीएमसी की सांसद डोला सेन ने राज्य सभा में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की बढ़ती कीमतों के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए निलंबन नोटिस दिया था। दूसरी ओर कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने भी एलपीजी सिलेंडर की कीमत में अचानक की गयी बढ़ोतरी के बारे में चर्चा करने के लिए लोक सभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया था।

पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़े

लगातार दूसरे दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत 80-80 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई गई थी। इसके कारण कई राज्यों में पेट्रोल की कीमत सौ के करीब तो कई राज्यों में सौ के पार हो गई है।

एलपीजी सिलेंडर में पचास रुपये की वृद्धि

रसोई गैस की कीमत में कल 50 रुपये का इजाफा हुआ था। इससे एलपीजी सिलेंडर की कीमत एक हजार रुपये के करीब पहुंच गयी है।

डॉ. लोहिया की जयंती पर बोले अखिलेश जनता ने दिया जन-आंदोलन का जनादेश

» महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उनको नमन किया। उन्होंने डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर सपा प्रमुख ने कहा कि जनता ने हमें जन आंदोलन का जनादेश दिया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, विधान सभा में उप्र के करोड़ों लोगों ने हमें नैतिक जीत दिलाकर 'जन-आंदोलन का जनादेश' दिया है। इसका मान रखने के लिए मैं करहल का प्रतिनिधित्व करूंगा व आजमगढ़ की तरक्की के लिए भी हमेशा वचनबद्ध रहूंगा। महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष के लिए ये त्याग जरूरी है।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार की गलत नीतियों से लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। मुनाफा कमाया जा रहा है। आज महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती है और हम उनके बताए रास्ते पर चलेंगे। गौरतलब है कि अखिलेश ने कल लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। अब वे करहल विधान सभा से सदस्य बने रहेंगे।

महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया को सपा प्रमुख ने किया नमन

योगी के शपथ ग्रहण के साक्षी बनेंगे पीएम मोदी, विपक्ष को भी न्योता

» बाबा रामदेव और उद्योगपतियों को भी भेजा गया निमंत्रण

» आज पहुंचेंगे शाह, कल होगी विधायक दल की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारियां अंतिम चरण में है। 25 मार्च को जब इकाना स्टेडियम में योगी आदित्यनाथ शपथ ग्रहण करेंगे तो इसके साक्षी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ भाजपा शासित 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और पांच उप मुख्यमंत्री भी बनेंगे। समारोह में योग गुरु बाबा रामदेव, साधु-संत, प्रमुख उद्योगपतियों और विपक्ष के नेताओं को आमंत्रित भी किया गया है।

ड्रोन से निगरानी

समारोह स्थल इकाना स्टेडियम और आसपास ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। वहीं स्टेडियम के आसपास एटीएस के कमांडो और ऊंची इमारतों पर सशस्त्र पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अपर पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एसपीजी के दिशा-निर्देशों के मुताबिक की जा रही है।

विपक्षी दलों के नेताओं को फोन कर शपथ ग्रहण समारोह के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री व यूपी के पर्यवेक्षक अमित शाह आज लखनऊ पहुंच रहे हैं। यहां वे कल विधायक दल की बैठक में हिस्सा लेंगे, जिसमें योगी आदित्यनाथ को औपचारिक रूप से विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

मुख्य विपक्षी दल होने के नाते अखिलेश होंगे नेता प्रतिपक्ष!

» विधानसभा में योगी आदित्यनाथ को घेरने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी की सियासत के लिए अपनी भूमिका तय कर ली। उन्होंने आजमगढ़ से लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और मैनपुरी की करहल सीट से बतौर विधायक यूपी के अखाड़े में राजनीति करने का निर्णय सार्वजनिक कर दिया। संकेत हैं कि लोकसभा की सदस्यता छोड़ने के बाद अखिलेश ही अब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका संभालेंगे। अगर ऐसा होता है तो लगभग 13 साल बाद कोई पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा में सरकार के खिलाफ विपक्षी मोर्चा संभालेगा।

माना जा रहा है कि यह फैसला उन्होंने 2024 के चुनाव की जमीनी तैयारियों के लिए किया है। जैसा कि तय माना जा रहा है कि अखिलेश ही समाजवादी विधायक दल के नेता होंगे तो मुख्य विपक्षी दल होने के नाते वही नेता प्रतिपक्ष होंगे। ऐसा हुआ तो वर्ष 2009 के बाद प्रदेश में वह ऐसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री होंगे जो नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वाह करेंगे। उनसे पहले उनके पिता मुलायम सिंह यादव ही वह अंतिम पूर्व मुख्यमंत्री थे जिन्होंने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वाह किया था। मई 2009 के बाद से मायावती रही हों या खुद अखिलेश, इन्होंने विपक्ष में आते ही दिल्ली की राजनीति को वरीयता दी और राज्यसभा या लोकसभा के जरिये केंद्र का रास्ता पकड़ा। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर अखिलेश ने 2017 के उलट 2022 में लखनऊ के अखाड़े को क्यों वरीयता दी? इसके पीछे कुछ प्रमुख कारण नजर आ रहे हैं। एक तो अखिलेश ने 2017 में विधानसभा का कोई चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन इस बार उन्होंने मैनपुरी के करहल से विधायकी का चुनाव भी लड़ा था। दूसरे भले ही उन्हें सरकार बनाने लायक जीत नहीं मिली, लेकिन जिस तरह उनके खाते में 125 सीटें आई और उन्होंने प्रदेश में विधानसभा की 403 सीटों में ज्यादातर पर भाजपा को सीधे टक्कर दी। पहली बार समाजवादी पार्टी को मिले मतों का प्रतिशत 32 से ऊपर पहुंचा है। बसपा और कांग्रेस पस्त दिखीं। इससे उनका उत्साह तो बढ़ा ही है लेकिन चुनौती भी बढ़ गई है। चुनौती बढ़ी है जनता के बीच विपक्षी पार्टी की जिम्मेदारी निभाकर सपा को जनसरोकारों वाली पार्टी साबित करने, अपना वोट बैंक व जनाधार संभालने की। साथ ही साख बचाए रखते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी की।

करहल सीट रखने के पीछे मकसद संदेश देना

अखिलेश करहल विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुने गए हैं। इस सीट को बचाए रखकर अखिलेश ने संदेश देने की कोशिश की है कि पारिवारिक व परंपरागत सीट से उनका सियासी लगाव है और बना रहेगा। आजम खां इस चुनाव में रामपुर से 10वीं बार विधायक चुने गए हैं और जेल में हैं। विधानसभा में उनकी भूमिका जेल से आने के बाद ही शुरू हो पाएगी। अखिलेश यादव वर्ष 2004 में पहली बार और दूसरी बार 2009 में कन्नौज से सांसद चुने गए। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में सपा को पूर्ण बहुमत मिलने पर मुख्यमंत्री बनने के लिए अखिलेश ने कन्नौज संसदीय सीट से इस्तीफा दिया था। वह विधान परिषद सदस्य बनकर पांच साल मुख्यमंत्री रहे।

जितना खर्च करते हैं उतना जल संरक्षण भी करें : राज्यपाल

» भाषा यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने युवाओं व विश्वविद्यालयों से आह्वान किया है कि वे जल और ऊर्जा संरक्षण के लिए आगे आयें। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा यूनिवर्सिटी के छठे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहीं राज्यपाल ने कहा कि हर विवि जल का संरक्षण भी करें। उन्होंने कहा कि हर विवि-कॉलेज में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की व्यवस्था हो। उन्होंने जल्द ही होने वाले अर्थ आवर डे का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी युवा अपने घर में निर्धारित समय पर एक घंटे बिजली बंद रखकर ऊर्जा संरक्षण में अपना योगदान दें।

उन्होंने इसके साथ ही युवाओं को रक्तदान, प्लेटलेट्स देने के लिए भी आगे आने को कहा। उन्होंने कहा कि एक मैडल पाने से ज्यादा संतुष्टि किसी एक व्यक्ति की जान बचाकर मिलेगी। वहीं मालिनी अवस्थी ने युवाओं को हमेशा सीखते रहने व हमेशा स्वाध्याय के लिए प्रेरित किया। समारोह में 83 मेधावियों को मेडल व 734 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई साथ ही 20 माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अतिथियों का स्वागत किया और साल भर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

गोरखपुर से ताल ठोंकने वाले भाजपा प्रत्याशी सौ करोड़ की संपत्ति के मालिक

» सीपी चन्द पर हत्या व रंगदारी का दर्ज है मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर-महराजगंज स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी के लिए पर्चा दाखिल करने वाले भाजपा प्रत्याशी चामुंडेश्वरी प्रताप चन्द उर्फ सीपी चन्द 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। नामांकन पत्र के साथ दाखिल शपथ पत्र में उन्होंने करीब छह करोड़ 20 लाख रुपये का चल एवं 94 करोड़ 64 लाख रुपये की अचल संपत्ति की घोषणा की है। उन पर लखनऊ के विकास नगर थाने में हत्या, रंगदारी, धमकी एवं षडयंत्र के आरोप में मुकदमा दर्ज है। सीपी चन्द शस्त्र एवं महंगी गाड़ियों के भी शौकीन हैं। उनके पास करीब 89 लाख की मर्सडीज कार एवं करीब 30 लाख रुपये कीमत की हाक जीप भी है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कला स्नातक सीपी चन्द के पास चार लाख 15 हजार रुपये नकद हैं। करीब 12.36 लाख रुपये बैंक खाते में जमा है। उनके पास चल संपत्ति के रूप में करीब छह करोड़ 20 लाख रुपये हैं। अचल संपत्ति के रूप में करीब नौ करोड़ रुपये कीमत की कृषि योग्य भूमि है। लखनऊ, गोरखपुर एवं कुछ अन्य शहरों में भी उनके पास जमीन एवं भवन हैं। गोरखपुर शहर में भी उनके पास संपत्ति है। विभिन्न शहरों में कई स्थानों पर उनके पास वाणिज्यिक भवन एवं जमीन है। सीपी चन्द के पास 23 लाख रुपये के आभूषण हैं। तीन लाख रुपये कीमत की रिवाल्वर एवं राइफल भी सीपी चन्द के पास है। तीन लाख रुपये कीमत के मोबाइल एवं अन्य उपकरण भी भाजपा प्रत्याशी अपने पास रखते हैं। वहीं सपा प्रत्याशी के तौर पर पर्चा दाखिल करने वाले रजनीश यादव व उनकी पत्नी के पास मात्र 2.67 लाख रुपए की चल एवं अचल संपत्ति है।

बजरंग बली पर टिप्पणी मामले में सीएम योगी को नोटिस

» सुनवाई के लिए 26 अप्रैल की तिथि तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मऊ में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामेश्वर ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/ एमपीएमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी के आदेश के विरुद्ध दाखिल निगरानी को स्वीकार कर लिया है। न्यायाधीश ने इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नोटिस जारी किया है। सुनवाई के लिए 26 अप्रैल की तिथि तय की है। दोहरीघाट निवासी नवल किशोर शर्मा ने एक परिवाद दाखिल किया था। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आरोपी बनाते हुए विचारण के लिए तलब करने का अनुरोध किया था। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति एवं गोरक्षपीठ के महंत हैं। उनका वक्तव्य देश, प्रदेश तथा प्रत्येक धर्म, जाति वर्ग एवं समुदाय के लिए महत्व रखता है।

आरोप है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान में 28 नवंबर 2018 को अलवर जिले के मालाखेड़ा में सार्वजनिक सभा में कहा था कि बजरंगबली ऐसे लोक देवता हैं, जो स्वयं बनवासी हैं, गिरवासी हैं, दलित हैं, वंचित हैं। उनके इस भाषण से परिवादी की धार्मिक भावनाओं को ठेस लगी है। बजरंगबली में आस्था रखने वाले समुदायों की भावना भी आहत हुई है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/ एमपीएमएलए कोर्ट श्वेता चौधरी ने सुनवाई के बाद 11 मार्च को परिवाद खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि घटनास्थल राजस्थान में है। जनपद मऊ में इस न्यायालय को यह परिवाद सुनने का क्षेत्राधिकार नहीं है। इस आदेश के विरुद्ध नवलकिशोर शर्मा ने मंगलवार को जिला जज की कोर्ट में निगरानी दाखिल किया।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

सपा के दो प्रत्याशियों सहित 34 नामांकन निरस्त

» एमएलसी चुनाव में 105 उम्मीदवार मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद की 36 एमएलसी सीटों के लिए हो रहे चुनाव में पहले चरण की 30 सीटों के लिए हुई नामांकन पत्रों की जांच में 34 पर्चे निरस्त हो गए। अब 105 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे हैं। मथुरा-एटा-मैनपुरी की दो सीटों पर सपा प्रत्याशी उदयवीर सिंह व राकेश यादव के पर्चे निरस्त होने के बाद यहां निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। 24 मार्च को नाम वापसी के बाद निर्विरोध चुनाव जीतने वाले उम्मीदवारों की घोषणा हो जाएगी। नामांकन पत्रों की जांच के बाद सर्वाधिक आठ नामांकन मेरठ-गाजियाबाद सीट से निरस्त हुए हैं।

बांदा-हमीरपुर से पांच नामांकन पत्र निरस्त हुए हैं। मुरादाबाद-बिजनौर, लखनऊ-उन्नाव व मथुरा-एटा-मैनपुरी से तीन-तीन, खीरी व बुलंदशहर से दो-दो नामांकन पत्र निरस्त हुए हैं। इसी प्रकार रायबरेली, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, वाराणसी, मीरजापुर-सोनभद्र, झांसी-जालौन-ललितपुर, कानपुर-फतेहपुर व पीलीभीत-शाहजहांपुर से एक-एक पर्चा मंगलवार को खारिज हो गया। अब हरदोई, खीरी, लखनऊ-उन्नाव, मीरजापुर-सोनभद्र व बुलंदशहर में दो-दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में बचे हैं। ऐसे में यहां भाजपा व सपा का सीधा मुकाबला होगा। सर्वाधिक छह-छह उम्मीदवार रामपुर-बरेली, प्रतापगढ़, आगरा-फिरोजाबाद व मेरठ-गाजियाबाद से चुनाव मैदान में डटे हैं। हालांकि प्रत्याशियों की असली तस्वीर 24 मार्च को नाम वापसी के बाद साफ होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मथुरा-एटा-मैनपुरी सीट से सपा प्रत्याशियों के साथ हुई अभद्रता व उन्हें नामांकन से रोके जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा राज में लोकतंत्र खतरे में है। ये सत्ता का क्रूर चेहरा है। एमएलसी चुनाव में या तो पर्चा नहीं भरने दिया गया या चुनाव प्रभावित किया जा रहा है। वहीं सपा ने सोमवार के बाद मंगलवार को फिर चुनाव आयोग को ज्ञापन देकर सपा प्रत्याशी उदयवीर सिंह व राकेश यादव के साथ हुई मारपीट व अभद्रता की शिकायत की है। सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को दिए ज्ञापन में लिखा कि उनके प्रत्याशियों को जिला व पुलिस प्रशासन ने बंधक बना लिया था। सपा ने अपने दोनों प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज किए जाने के विरुद्ध शिकायत की है एवं कार्रवाई की मांग की है।

लोक सभा चुनाव पर नजर, खुलेगी कई विधायकों की किस्मत

प्रदेश मंत्रिमंडल में दलित-पिछड़ों की बढ़ सकती है भागीदारी

» कई विधायकों का बढ़ सकता है कद, जातीय समीकरण पर भी फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा के दोबारा सत्ता में आते ही योगी आदित्यनाथ के नए मंत्रिमंडल के गठन के लिए समीकरण तय किए जा रहे हैं। इस बार मंत्रिमंडल में दलितों और पिछड़ों का डबल इंजन ज्यादा बड़ा लगाया जाएगा। 2024 के लोक सभा चुनाव के मद्देनजर तय है कि पिछली सरकार की तुलना में इस बार इन वर्गों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

भाजपा ने विधान सभा चुनाव जीतने की रणनीति में जातीय समीकरणों का विशेष ध्यान रखा। हालांकि पार्टी की नीति और रणनीति में जोर सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का रहा लेकिन दलित और पिछड़ा वर्ग को इसका संदेश देने के लिए प्रयास भी खूब किए गए। पिछड़ा वर्ग भाजपा के साथ पहले से है इसलिए उसे मजबूती से थामे रखने के लिए 2017 के विधान सभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद इस वर्ग के विधायकों को मंत्रिमंडल में मजबूत प्रतिनिधित्व दिया गया। योगी सरकार के तत्कालीन 49 सदस्यीय मंत्रिमंडल में 17 मंत्री अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)से थे। तब अनुसूचित जाति का वोट जुटाने के जतन में भाजपा जुटी थी। पिछले चुनाव में भी पार्टी को इस वर्ग का वोट मिला लेकिन वह उम्मीद के मुताबिक नहीं था। फिर भी दलितों को संदेश देने के लिए मंत्रिमंडल में पांच मंत्री दलित वर्ग से बनाए गए। इसके बाद इस वर्ग के लिए लाभार्थी योजनाएं चलाई गईं, जिनका असर हुआ। केंद्रीय मंत्रिमंडल के विस्तार में यूपी को खास तवज्जो दी गई। यहां से सात सांसदों को मंत्री बनाया गया, जिनमें एक सामान्य वर्ग से तो तीन-तीन दलित और पिछड़ा वर्ग से थे। इसी फार्मूले पर योगी सरकार बढ़ी और सितंबर में हुए मंत्रिमंडल के अंतिम विस्तार में सात नए मंत्री बनाए गए। इनमें एक सवर्ण जबकि तीन दलित और तीन पिछड़ा वर्ग के थे। इस तरह पिछड़ा वर्ग के मंत्रियों की संख्या 21 तो अनुसूचित जाति के सात और अनुसूचित जनजाति के एक मंत्री हो गए। विधान सभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि भाजपा के साथ पिछड़ा वोट बैंक अब भी मजबूती से जुड़ा है तो बसपा से छिटककर दलित वोट अच्छी मात्रा में आ चुका है। यही कारण है कि बसपा 403 में से मात्र एक ही सीट जीत सकी जबकि भाजपा अकेले 255 और गठबंधन सहयोगियों के साथ कुल 273 सीटें जीती है। भाजपा गठबंधन से पिछड़ा वर्ग के 89, अनुसूचित जाति के 63 और अनुसूचित जनजाति के दो विधायक हैं। इसके साथ ही पार्टी ने लोक सभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। लिहाजा, माना जा रहा है कि योगी मंत्रिमंडल का गठन इसी रणनीति के साथ होगा कि पिछड़े भाजपा को बढ़ाने में फिर आगे रहें और दलित भी साथ जुड़ा रहे। चूंकि कुल जीते विधायकों में 56 प्रतिशत दलित-पिछड़ा वर्ग से हैं, ऐसे में तय है कि इन दो वर्गों से चुनकर आए विधायकों को मंत्रिमंडल में तरजीह मिलेगी।

ये नाम चर्चा में

संभावना है कि यदि पार्टी आगरा ग्रामीण से विधायक बनीं उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबीरानी मौर्य को डिप्टी सीएम बनाने की बजाए विधानसभा अध्यक्ष बना दे और दिनेश शर्मा उसी पद पर रहें तो प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसी दलित नेता को दी जा सकती है। सरकार या संगठन में लाने के लिए पार्टी के पास एमएलसी विद्याराम सोनकर और लक्ष्मण आचार्य जैसे दलित नेता भी हैं। इसी वर्ग से कन्नौज विधायक असीम अरुण, हाथरस विधायक अंजुला माहौर भी हैं। योगी मंत्रिमंडल के अंतिम विस्तार में राज्यमंत्री बनाए गए संजीव गोंड अनुसूचित जनजाति से हैं, जो फिर विधायक बने हैं। इन्हें भी मंत्रिमंडल में जगह मिलना तय माना जा रहा है।

कई चेहरों पर जोर

योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल के संभावित नामों को लेकर तमाम नामों पर चर्चा है। मसलन, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चुनाव हार गए हैं, लेकिन वह पिछड़ों के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। उनका यह भी प्रभाव माना जा रहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा में जाने के बावजूद वह वोट बैंक भाजपा के साथ रहा। ऐसे में केशव इसी पद पर दूसरी पारी शुरू कर सकते हैं। पिछड़ों के ही नेता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह का नाम है। माना जा रहा है कि कुर्मी वोट इस बार उम्मीद के मुताबिक नहीं मिला है। स्वतंत्रदेव इसी वर्ग से ताल्लुक रखते हैं इसलिए इस वर्ग को करीब लाने और संगठन की मेहनत का इनाम उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाकर दिया जा सकता है। इनमें से किसी एक को ही उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना है।

एमएलसी चुनाव : बिना गठबंधन सहयोगियों के भाजपा ने साधा समीकरण

अपना दल (एस) व निषाद पार्टी को नहीं दी एक भी सीट

» खुद ही अपने प्रत्याशियों से संतुलन बनाने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अब विधान परिषद में भी बहुमत पाने की जुगत में लग गई है। यूपी चुनाव में जातीय समीकरणों का संतुलन साधती नजर आई भाजपा उसी राह पर आगे कदम बढ़ा रही है। विधान परिषद (स्थानीय निकाय) के चुनाव के प्रत्याशी घोषित करने में पार्टी ने जातीय संतुलन का खास ख्याल रखा है। संगठन कार्यकर्ताओं को मेहनत का फल देने के साथ ही दूसरे दलों से आए नेताओं से वादा निभाते हुए ही दूसरे चरण के छह और प्रत्याशी भाजपा ने घोषित कर दिए हैं। चुनाव में जातीय समीकरण साधते हुए गठबंधन सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी को पर्याप्त सीटें देने वाली भाजपा ने यूपी के विधान परिषद चुनाव में एक भी सीट उन्हें नहीं दी है।

खुद ही अपने प्रत्याशियों से संतुलन बनाने का प्रयास किया है। विधान परिषद चुनाव की पहले चरण की 30 और छह अन्य मिलाकर कुल 36 उम्मीदवारों में 16 क्षत्रिय और 11 पिछड़ा वर्ग से हैं। पांच ब्राह्मण तो तीन वैश्य और एक कायस्थ समाज से हैं। इनमें 11 उम्मीदवार वह हैं, जो दूसरे दल से भाजपा में आए हैं जबकि 25 पर संगठन के कार्यकर्ताओं को मौका दिया गया है। कल घोषित किए विधान परिषद की छह सीटों पर भाजपा ने बस्ती-सिद्धार्थनगर स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र से पार्टी के प्रदेश मंत्री सुभाष यदुवंश, कानपुर-फतेहपुर से अविनाश सिंह चौहान और वाराणसी से डॉ. सुदामा सिंह पटेल को प्रत्याशी घोषित किया है। वहीं तीन उम्मीदवार दूसरे दलों से आए नेता बनाए गए हैं। इनमें जौनपुर सीट पर सपा के एमएलसी रहे बृजेश सिंह को टिकट दिया है। सपा छोड़कर भाजपा में आए शैलेंद्र प्रताप सिंह को सुल्तानपुर तो मीरजापुर-सोनभद्र सीट से विनीत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले भाजपा ने शनिवार को स्थानीय निकाय क्षेत्र से पहले चरण की 30 सीटों के प्रत्याशियों की घोषणा की थी। आजमगढ़ की फूलपुर पवई से सपा विधायक रमाकांत के बेटे अरुण कुमार यादव को आजमगढ़-मऊ स्थानीय प्राधिकरण सीट से भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। अरुण 2017 के विधानसभा चुनाव में फूलपुर पवई सीट से भाजपा के विधायक चुने गए थे। भाजपा ने गोरखपुर क्षेत्र के प्रभारी तथा भाजपा के प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता को लखीमपुर खीरी तथा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी को इटावा-फर्रूखाबाद सीट से मैदान में उतारा है। भाजपा ने लखनऊ-उन्नाव सीट से रामचंद्र प्रधान को अपना प्रत्याशी बनाया है। सीतापुर से पवन सिंह चौहान को टिकट दिया है। अभी वह भाजपा के शिक्षण संस्थान प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक भी हैं। भाजपा ने हरदोई सीट से किछौना के तीन बार ब्लाक प्रमुख रह चुके अशोक अग्रवाल को प्रत्याशी बनाया है। महोबा के भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह सेंगर को बांदा-हमीरपुर सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। आगरा-फिरोजाबाद से अपने पुराने कार्यकर्ता व प्रदेश मंत्री विजय शिवहरे को प्रत्याशी बनाया है। सपा सरकार में दो बार मंत्री और विधान परिषद सदस्य रहे नरेंद्र सिंह भाटी गौतमबुद्ध नगर-बुलंदशहर सीट से भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। पूर्व सांसद हरिओम पांडेय को फैजाबाद से प्रत्याशी घोषित किया है। राज्य के कैबिनेट सचिव रहे शशांक शेखर की भाभी वंदना मुदित वर्मा को मुजफ्फरनगर-सहारनपुर क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है।

बीजेपी का ठाकुर-ओबीसी पर दांव

विधान परिषद चुनाव में बीजेपी ने जहां सबसे ज्यादा ठाकुर समुदाय के उम्मीदवारों पर दांव लगाया है तो वहीं सपा ने यादव समुदाय पर भरोसा जताया है। हालांकि बीजेपी और सपा दोनों ने ही दलित समुदाय से किसी को भी एमएलसी का प्रत्याशी नहीं बनाया है। स्थानीय निकाय क्षेत्र की 36 विधान परिषद सीटों में से बीजेपी ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने सपा और कांग्रेस से आए दलबदलू नेताओं पर भरोसा जताया है तो सियासी समीकरण को साधने का दांव भी चला है। जातीय समीकरण के लिहाज से बीजेपी ने सबसे ज्यादा ठाकुर और पिछड़ा वर्ग पर सबसे ज्यादा भरोसा जताया है। बीजेपी ने 16 ठाकुर, 11 पिछड़े, 5 ब्राह्मण, 3 वैश्य और एक कायस्थ को एमएलसी का टिकट दिया है।

सीएम योगी के इस्तीफा देने से एक सीट और हुई खाली

नौ अप्रैल से विधान परिषद की 36 सीट का चुनाव होना है। इसी बीच में विधान परिषद की एक और सीट खाली हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह को अपना इस्तीफा दे दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर शहर से विधायक चुने के बाद विधान परिषद के सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल छह जुलाई 2022 तक ही था। उत्तर प्रदेश में पहली बार विधान सभा के सदस्य बनने वाले योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद सदस्य पद से इस्तीफा दे दिया है। गोरखपुर शहर से विधायक चुने जाने के बाद योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद सभापति को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिसको सभापति ने स्वीकार कर लिया है। योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की गद्दी संभालेंगे। इसके लिए उत्तर प्रदेश के पर्यवेक्षक अमित शाह तथा सह पर्यवेक्षक रघुवर दास की मौजूदगी में 24 मार्च को योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

सपा ने साधा सियासी समीकरण

समाजवादी पार्टी 36 एमएलसी सीटों में से 34 सीटों पर खुद चुनावी मैदान में है तो 2 सीटें सहयोगी दल आरएलडी के लिए छोड़ी हैं। सपा ने सबसे ज्यादा 19 यादव समुदाय के प्रत्याशी बनाए हैं और इसके बाद चार अन्य ओबीसी को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा चार मुस्लिम, तीन ठाकुर, तीन ब्राह्मण और एक जैन समुदाय के नेता को विधान परिषद का टिकट दिया है। इस तरह से सपा ने अपने सियासी समीकरण साधने का दांव चला है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेलगाम महंगाई से जूझता आम आदमी

देश में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। तेल कंपनियों ने एक बार फिर पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दामों में इजाफा कर दिया है। तेल की कीमतों में दो दिन के भीतर एक रूपये साठ पैसे प्रति लीटर और एलपीजी सिलेंडर में पचास रुपये का इजाफा किया गया है। पेट्रोल के दाम सौ के करीब तो सिलेंडर हजार रुपये के पास पहुंच गए हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सवाल यह है कि महंगाई बेलगाम क्यों होती जा रही है? तेल और रसोई गैस के दामों का बाजार पर क्या असर पड़ेगा? क्या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में आए उछाल का असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ रहा है? क्या तेल कंपनियों को मनमानी करने की छूट दी जा सकती है? क्या कोरोना काल में बेरोजगारी से जूझ रहे लोगों को राहत देने के लिए सरकार गंभीर नहीं है? क्या आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाए बिना महंगाई को नियंत्रित किया जा सकता है? क्या बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें जरूरी कदम उठाएंगी?

सवाल यह है कि महंगाई बेलगाम क्यों होती जा रही है? तेल और रसोई गैस के दामों का बाजार पर क्या असर पड़ेगा? क्या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दामों में आए उछाल का असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ रहा है? क्या तेल कंपनियों को मनमानी करने की छूट दी जा सकती है? क्या कोरोना काल में बेरोजगारी से जूझ रहे लोगों को राहत देने के लिए सरकार गंभीर नहीं है?

पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव के बाद महंगाई ने जनता को बड़ा झटका दिया है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दामों में इजाफे का असर बाजार पर पड़ेगा। माल ढुलाई बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थों समेत अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ेंगी। वहीं एलपीजी के दाम बढ़ने से आम आदमी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसमें दो राय नहीं कि यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आए रिकॉर्ड उछाल का असर पूरी दुनिया में दिख रहा है, बावजूद इसके सरकार को इस पर तत्काल नियंत्रण लगाने की जरूरत है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को न केवल अपने टैक्स में कुछ और कटौती करनी होगी बल्कि तेल कंपनियों पर भी लगाम लगानी होगी। दरअसल, कोरोना काल के कारण लाखों लोग बेरोजगार हो चुके हैं और उनकी क्रय शक्ति में भारी गिरावट आयी है। लाखों मध्यमवर्गीय परिवार गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। लिहाजा महंगाई को झेलने की उनकी क्षमता कम होती जा रही है। रोजगार के नए साधन नहीं होने के कारण लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट गहरा गया है। लिहाजा बाजार में जो थोड़ा बहुत पूंजी का प्रवाह हो रहा है उस पर भी महंगाई से लगाम लग जाएगी। यह देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर डालेगा। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह न केवल मूल्य नियंत्रण को लेकर कोई ठोस कदम उठाए बल्कि रोजगार के नए साधनों को जल्द से जल्द विकसित करे अन्यथा स्थितियां बदतर हो जाएंगी। यह देश और यहां के नागरिकों के लिए अच्छा नहीं होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोहिया होने का अर्थ

डॉ. सी.पी. राय

आज 23 मार्च है डॉ. राममनोहर लोहिया का जन्मदिन । देश के वणिक समाज के लोग अपने कार्यक्रम में उनकी फोटो लगायेंगे और उनको अपने समाज का गौरव बताएंगे और वे ये भूल जाना चाहेंगे तथा इसका जिक्र भी नहीं करना चाहेंगे की उसी डॉ. लोहिया ने इस देश में जाति तोड़ो अभियान चलाया था और तमाम लोगो ने अपने नाम से जाति का नाम हटा दिया था। ये लोग ये भी याद नहीं रखना चाहेंगे की उसी डॉ. लोहिया ने कई लाख जनेऊ तुड़वा कर जलवा दिया था। ये तो बिलकुल याद नहीं रखना चाहिए कि उसी डॉ. लोहिया ने संसोपा ने बाँधी गांठ - पिछड़े पाए सौ में साठ का नारा दिया था। जिसने मंडल कमीशन की बुनियाद रखी। पर उनके नाम के साथ उनकी जाति चिपकाते हुए बताया जायेगा कि डॉ. लोहिया भी दर असल बनिया थे और डॉ. लोहिया को शायद इससे बड़ी गाली दी भी नहीं जा सकती जो उन्हें इतना छोटा बना कर दी जाएगी।

कुछ दूसरे हम जैसे लोग भी उन्हें शायद याद करेंगे जो उनके चित्र से अपने ड्राइंग रूम या ऑफिस सजाते है। हम जैसे लोग उनके इतिहास को याद करने की कोशिश करेंगे। उन्हें याद करने की कोशिश करेंगे केवल एक व्यक्ति के रूप में, एक नेता के रूप में और थोड़ा सा स्वतंत्रता सेनानी के रूप में भी शायद याद कर लें। पर उनकी बातो पर ध्यान नहीं देंगे, उनके विचारो को अपनी अलमारियों के सबसे पीछे खाने के लिए छोड़ देंगे। डॉ. लोहिया अगर चाहते तो पूरी जिंदगी सांसद रह सकते थे। वे चाहते तो नेहरु जी की सरकार से लगातार केंद्र में महत्वपूर्ण मंत्री रह सकते थे । वे चाहते तो दिल्ली के एक शानदार बंगले का सुख उठा सकते थे।

पर फिर इतिहास चक्र कौन लिखता, कौन सीता और सावित्री और द्रौपदी के बहाने औरतो की स्वतंत्रता की चर्चा छेड़ता। फिर चित्रकूट में रामायण मेला लगा कर संस्कृति को सहेजता कौन ? देश विभाजन के गुनाहगार की चर्चा नहीं कर सकते थे वे। राम, कृष्ण , शिव या केवल कृष्ण लिख कर इनके बहाने जीवन संस्कृति, जिम्मेदारियों, मर्यादाओं और न्याय की चर्चा नहीं कर पाते वे। तब कहा सगुण और निर्गुण की बात हुयी नए संदर्भो में। तब नहीं हुयी होती चर्चा संसद में अमीरी और गरीबी की इतनी बड़ी खाई की तीन आना बनाम छ आना की बहस के साथ । तब कौन भारत को चीन के आक्रमण से आगाह करता। कौन होता जो तिब्बत की लड़ाई लड़ता। तब शायद गोवा की आजादी और लम्बी हो जाती और नेपाल में जागरण का सूरज देर से पहुंचता। कौन दहाड़ कर कहता की हिमालय बचाओ और जिस पानी की आज चर्चा है उसकी बुनियाद किसने रखी होती गंगा बचाओ का अभियान चला कर और उसके बहाने सभी नदियों को बचाने की आवाज लगा कर ।

तब कौन कहता की दुनिया को सात क्रांतियों की जरूरत है वो रंग भेद के खिलाफ हो यानि चमड़ी की हो,वो स्त्री पुरुष के बीच भेद की हो, वो जाति के आधार पर भेदभाव के खिलाफ हो, वो धर्म के आधार पर भेदभाव के खिलाफ हो, गरीबी अमीरी के भेदभाव के खिलाफ हो इत्यादि। तब कौन इबारत लिखता चौखम्भा राज की जिसके आधार पर आज का

भारत गांव से देश तक चार सरकारों से संचालित होता है। यदि डॉ. लोहिया ने सब सुख स्वीकार कर लिया होता तो कौन तोड़ता आजादी के बाद भी हमें मुंह चिढाती अंग्रेजो की मूर्तियों को और महीनों इसके लिए जेल काटता राजनारायण जैसे साथियों के साथ और मूर्तियां आज भी हमारे सीने पर मूंग दल रही होती। तब कौन लड़ाई छेड़ता अंग्रेजी हाय हाय की जिसकी एक परिणिति अभी दिखलाई पड़ी है जब आईएएस के इम्तहान से अंग्रेजी की बाध्यता समाप्त कर दी गयी है ।

तब कौन लड़ता नौजवानों के लिए विश्वविद्यालयों और कालेजों में जा-जा कर और उन्हें आने वाले समय में लोकतंत्र का मजबूत हथियार बनाता। कौन कहता कि किसान को उसकी उपज का मूल्य दो और गरीब को उसका हक । वे नहीं कह पाते, संसोपा ने बांधी गांठ और पिछड़े मागे सौ में साठ और आज का सामाजिक न्याय का परिदृश्य भी शायद दिखलाई नहीं पड़ता या अभी शैशव अवस्था में घुटने पर चल रहा होता। यदि उन्होंने मंत्री पद स्वीकार कर लिया होता तो कौन बताता इस देश को की पहाड़ जैसे सत्ता में बैठे लोगों से कैसे टकराया जा सकता है और कौन अहसास करवाता की विपक्ष भी कुछ होता है। कौन गैर कांग्रेसवाद का सिद्धांत देकर अजेय कांग्रेस की देश में नौ सरकारें गिरा कर रास्ता दिखाता कि कांग्रेस की सरकार हटाई भी जा सकती है । कौन लड़ता नेहरु जी जैसे बड़े नेता से और ये कहने का सहस करता की मैं जानता हूं कि पहाड़ से टकरा रहा हूं पर टकराते टकराते मैं दरार तो पैदा कर ही दूंगा जिसे कल कोई गिरा भी देगा।

हां, जो सब छोड़ने को तैयार होते हैं वही नए समाज की रचना करते है। वही देश की आजादी के योद्धा होते है। वही सामाजिक और आर्थिक क्रांतियां करते हैं। वही समाज को रास्ता दिखाते हैं । वही ऊंच-नीच के भेदभाव से लड़ते है। ऐसे लोग ही होते है क्रांतिदूत, समाज परिवर्तक और महामानव । जी हां मैंने ये सब एक ऐसे ही महामानव के बारे में लिखा है जिसका नाम था डॉ. राममनोहर लोहिया और 23 मार्च जिनका जन्मदिन है । मुझ जैसे लोग जो उन्हें पढ़कर और जान कर राजनीति में आ गए पता नहीं उनके अभियान को कुछ इंच भी सरका पाए या नहीं। पता नहीं समाज को बदलने की बात करते करते खुद ही बदल गए या नहीं। पता नहीं लोगों को न्याय दिलाते दिलाते खुद अन्याय का शिकार तो कही नहीं हो गए । लोगो को खुशहाल बनाते बनते खुद तो बर्बाद नहीं हो गए। पर आज मुझ जैसे उनके तमाम दीवानों का उस चिन्तक और त्यागी डॉ. लोहिया को सलाम ।

हां, आज भी हम जैसे लोग कोशिश कर रहे है कि डॉ. लोहिया सदा जिन्दा रहे और उनके सिद्धांतों की लौ जलती रहे । आइये कुछ उनके विचारो पर हम भी विचार भी कर ले । उन्हें पूरे देश का सलाम । (लेकिन अब कितना दुर्भाग्यपूर्ण दिन आ गया है कि समाजवाद का मतलब केवल कुछ जातियों का हित हो गया है पिछड़े सौ में साठ नहीं जिस पिछड़े में सभी धर्म और जाति की महिलाएं भी थी लोहिया जी के सरोकारों में और अन्य से घृणा नहीं बल्कि सबके सहयोग से समाजिक न्याय की बात थी। पर अब तो कुछ जातियों के ठेकेदारों द्वारा अन्य सभी को गली देना ही सामाजिक न्याय का हथियार है और उन जातियों अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा अन्य सभी का संभव अपमान और उपेक्षा ही सामाजिक न्याय है।)

जैसे वो हर आंदोलन आज तक फेल होता रहा जहां हिंसा, अपशब्द या घृणा आ गयी उसी तरह ये आंदोलन भी घृणा और अपशब्दों का शिकार हो दम तोड़ रहा है। सच्चे वैचारिक लोगों के लिए अफसोस की बात है । पर नए नए लिखना, पढ़ना, बोलना सीखे लोग भारत की मिट्टी को जानते नहीं और अपने कर्मों से नाश करने में लगे हैं इस आंदोलन का।

(लेखक स्वतंत्र राजनीतिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं)

कानून के बावजूद नहीं सुधरे हालात

अनूप भटनागर

वैसे जरूरतों के हिसाब से देश में वृद्धावस्था नीति भी बनाई गई है परंतु इस पर पूरी गंभीरता से अमल नहीं हो रहा है। नतीजा 60 साल की उम्र का पड़ाव लांघ चुके अनेक वरिष्ठ नागरिकों को आये-दिन तरह-तरह से अपमानित और उपेक्षित होने का अनुभव होता है। वरिष्ठ नागरिकों की इस श्रेणी में आने वाली आबादी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और सुगम आवागमन की सुविधाएं होनी चाहिए।

देश को आज भले ही युवाओं का भारत कहा जा रहा है लेकिन साथ ही इस समय प्रत्येक 12वां व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक है। इस समय वरिष्ठ नागरिकों की आबादी करीब 15 करोड़ है और निकट भविष्य में इसमें तेजी आएगी। ऐसी स्थिति में इस श्रेणी में आने वाली आबादी के लिए बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता है। बुजुर्ग और वृद्ध माता-पिता का हमेशा सम्मान करने के लिए प्रसिद्ध हमारे देश में ही अब बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा हो रही है। उनका परित्याग कर उन्हें वृद्धाश्रम तक पहुंचा दिया जा रहा है जबकि वरिष्ठ नागरिकों को जिंदगी के इस पड़ाव में भी संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त गरिमा और सम्मान के साथ जीने का अधिकार है लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के मामले में देश की न्यायपालिका भी हस्तक्षेप कर चुकी है।

उसने इस वर्ग के लोगों के लिए विशेष योजना तैयार करने और पहले से मौजूद वृद्धावस्था नीति का सख्ती से पालन करने के निर्देश भी दे रखे हैं। वैसे जरूरतों के हिसाब से देश में वृद्धावस्था नीति भी बनाई गई है परंतु इस पर पूरी गंभीरता से अमल नहीं हो रहा है। नतीजा 60 साल की उम्र का पड़ाव लांघ चुके अनेक वरिष्ठ नागरिकों को आये-दिन तरह-तरह से अपमानित और उपेक्षित होने का अनुभव होता है। वरिष्ठ नागरिकों की इस श्रेणी में आने वाली आबादी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और सुगम आवागमन की सुविधाएं होनी चाहिए। लेकिन अचानक ही ऐसा हुआ है कि कोविड-19 महामारी के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के लिए रेल यात्रा में मिलने वाली रियायत वापस लेने के बाद अब सरकार इसे बहाल करने में ना-नुकुर कर रही है। अब बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों को अपने पैतृक नगर या तीर्थस्थलों और पर्यटक स्थलों पर जाने के लिए रेल यात्रा पर भारी-भरकम राशि खर्च करनी होगी।

मार्च, 2020 से पहले रेल से यात्रा करने के मामले में वरिष्ठ नागरिकों को सभी वर्गों में यात्रा करने पर छूट मिलती थी जो महिलाओं के मामले में 50 प्रतिशत और पुरुषों के लिए 40 प्रतिशत थी। इस सुविधा के लिए महिला की आयु 58 साल और पुरुष की आयु 60 साल निर्धारित थी। कमोबेश सरकारी चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य से संबंधित चिकित्सीय परामर्श के लिए अक्सर काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है। हमारे सामाजिक मूल्यों में तेजी से आ रहे बदलाव की वजह से भी वरिष्ठ नागरिकों को तरह-तरह की समस्याओं से रूबरू होना पड़ रहा है। परिवारों में भी बुजुर्गों को संतान की प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। इसकी एक वजह बुजुर्गों द्वारा अपनी मेहनत से अर्जित संपत्ति भी है जिसे सुरक्षित रखना उनके लिए बहुत बड़ी चुनौती होती है। सरकार ने वृद्ध माता-पिता और परिवार के दूसरे बुजुर्ग सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और उनकी संपत्ति हड़पने के लिए घर में ही उन्हें प्रताड़ित करने और उनका परित्याग करने जैसी घटनाओं में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए 2007 में 'माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण कानून' बनाया और बुजुर्गों के हितों की रक्षा के मामले में न्यायपालिका ने भी सख्त रुख अपनाया है।

ऐसा लगता है कि महानगरों और ऐसे ही प्रमुख शहरों से इतर देश के दूरदराज के इलाकों में बुजुर्गों को इस कानून की ज्यादा जानकारी नहीं है। केंद्र के साथ ही राज्य सरकारों को चाहिए कि बड़े स्तर पर इस कानून के प्रति जागरूकता पैदा करने का अभियान चलाएं ताकि संपत्ति के लालच में संतानें बुजुर्गों की जिंदगी नरक नहीं बनायें। सामाजिक कल्याण मंत्रालय ने वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर भी शुरू कर रखा है लेकिन इनके बारे में जानकारी के प्रचार-प्रसार के अभाव में मदद की दरकार करने वाले पीड़ित बुजुर्ग के लिए अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराना भी चुनौती बन जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने बुजुर्गों की स्थिति में सुधार के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। न्यायालय ने भी स्थिति की गंभीरता और महत्व को देखते हुए दिसंबर, 2018 में केंद्र को व्यापक निर्देश दिये थे। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीने के अधिकार को व्यापक अर्थ दिये जाने की आवश्यकता है ताकि देश के वरिष्ठ नागरिक गरिमा और सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर सकें।

न्यायालय ने इस तथ्य को भी रेखांकित किया था कि याचिकाकर्ता डॉ. अश्विनी कुमार ने बुजुर्गों के इन अधिकारों को करीने से पेश किया है और ये हैं गरिमा के साथ जीने का अधिकार, आवास का अधिकार और स्वास्थ्य का अधिकार और राज्यों का यह कर्तव्य है कि इन मौलिक अधिकारों की सिर्फ रक्षा ही नहीं हो बल्कि इन्हें लागू किया जाये। सभी नागरिकों को ये उपलब्ध भी हों। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए केंद्र और राज्य सरकारें देश के करीब 15 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों में से बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवन गुजार रहे बुजुर्गों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देगी और उनकी सुविधाओं में कटौती की बजाय इनमें सुधार करेगी।

गर्मियों के मौसम में पसीने के कारण स्किन पर बैक्टीरिया प्रोटीन को तोड़ देते हैं, जिसकी वजह से अलग तरह के एसिड कैमिकल्स निकलते हैं, ऐसे में बॉडी से बदबू आने लगती है। खासकर अंडरआर्म्स की बदबू के कारण शर्मिंदगी होने लगती है। इस बदबू से बचने के लिए डिओडोरेंट या फिर रोल-ऑन का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि फिर भी इस बदबू से छुटकारा नहीं मिलता। ऐसे में आप कुछ घरेलू उपचारों की मदद ले सकते हैं।

अपनाएं ये घरेलू उपाय
पसीने की बदबू
से पायें छुटकारा

नहाने के पानी में मिलाएं एप्सम सॉल्ट

नहाने के पानी में एक कप एप्सम सॉल्ट के साथ 3 से 4 बूंद लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की मिलाएं। अब इस पानी से नहाएं, अगर घर मे बाथ टब है तो फिर 12 से 15 मिनट के लिए इस पानी में बैठे। फिर साफ पानी से नहाएं और बॉड़ी तो अच्छे से मॉइश्चराइज करें।

आर्मपिट्स पर लगाएं एलोवेरा जेल

एलोवेरा की पत्ती से एक कटोरी में जेल निकालें। फिर इसे अपने अंडरआर्म्स पर 20 से 25 मिनट के लिए लगाएं। फिर इसे पानी से साफ करें।

नींबू का रस लगाएं

एक कटोरे में आधे नींबू को नीचोड़ लें फिर इसमें 4 से 5 चम्मच पानी मिलाएं। अब इसे अपनी अंडरआर्म्स पर 10 से 12 मिनट के लिए लगाएं। अब गुनगुने पानी से साफ करें।

आलू के स्लाइस को करें रब

अंडरआर्म्स पर आलू लगाने के लिए एक आलू को छील लें और फिर इसे स्लाइस में कट करें। अब अंडरआर्म्स पर आलू के स्लाइस को रब करें। फिर इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही लगे रहने दें। अब 25 से 30 मिनट बाद इसे पानी से धो लें।

लैवेंडर ऑयल से बनाएं स्प्रे

एक साफ बोतल में 5 बूंद लैवेंडर ऑयल डालें। फिर इसे आधा कप पानी से डायलयूट करें। इसे अच्छे से शेक करें। अब इस मिश्रण को सोने से पहले अंडरआर्म्स पर लगाएं और राच भर के लिए लगा रहने दें। फिर अगले दिन सुबह पानी से इसे गुनगुने पानी से धोएं।

बेकिंग सोडा

एक कटोरी में दो चम्मच बेकिंग सोडा और एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें। इसका एक अच्छा पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट से अंडरआर्म्स की सर्कुलर मोशन में मसाज करें। 10 मिनट के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। फिर पानी से साफ करें।

टमाटर के जूस से करें मसाज

टमाटर को एक ब्लेंडर में डाल कर अच्छे से पीस लें। फिर इसके जूस के निकाल लें। अब इसमें नींबू का रस डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब इस मिश्रण से अंडरआर्म्स की मसाज करें। फिर इसे पानी से साफ करें।

हंसना मना है

एक सिपाही ने मौका-ए-वारदात से इंस्पेक्टर को फोन किया-जनाब, यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी। इंस्पेक्टर: क्यों?
सिपाही: क्योंकि आदमी पोंछा मारे हुए फर्श पर चढ़ गया था: इंस्पेक्टर: गिरफ्तार कर लिया औरत को?
सिपाही: नहीं साहब, अभी पोंछा सूखा नहीं है।

एक लड़की का पसंदीदा विषय गणित था, लड़के ने उसे कुछ ऐसे प्रपोज किया, मैंने हमेशा तुम्हारा 7:00 दिया। तुम भी मेरा 07:02। हम 02:09 को हमेशा 01:07 रहना है। इसीलिए मुझे छोड़ने की गलती 02:12 ना करना।

मिंकी- आई लव यू। चिंकी- आई लव यू टू। मिंकी- तुम मुझसे कितना प्यार करती हो? चिंकी- जितना तुम करते हो। मिंकी- अच्छा बेटा, मतलब तू भी बस टाइम पास कर रही थी।

एक बार आंख और दिल में लड़ाई हो गई। दिल- देखते तुम हो दर्द मुझे होता है। आंख-दिल लगाते हो तुम और रोता मैं हूं। इतने में गाल बोला- अबे गधों तुम दोनों के चक्कर में थप्पड़ तो मुझे खाना पड़ता है।

एक अक्षर गलत होने की वजह से एक किताब की 10 लाख कॉपियां बिकीं। ये गलती उस किताब के टाइटल में हो गई थी... किताब का नाम था - एक आइडिया जो आपकी लाइफ बदल दे और गलती से हो गया - एक आइडिया जो आपकी वाइफ बदल दे।

कहानी — रोमक कबूतर

हिमालय पर्वत की किसी कंदरा में कभी रोमक नाम का एक कपोत रहता था। शीलवान, गुणवान् और अतिमान वह सैकडों कपोतों का राजा भी था। उस पहाड़ के निकट ही एक सन्यासी की कुटियां थी। रोमक प्राय: उस सन्यासी के पास जाता और उसके प्रवचन का आनन्द उठाया करता था । एक दिन वह सन्यासी अपनी उस कुटिया को छोड़ किसी दूसरी जगह चला गया । कुछ दिनों के बाद उसी कुटिया में एक पाखण्डी सन्यासी के भेष में आकर वास करने लगा। वह आदमी अक्सर ही पास की बस्ती में जाता, लोगों को ठगता और उनके यहाँ अच्छे-अच्छे भोजन कर सुविधापूर्वक जीवन बिताता । एक बार जब वह किसी धनिक गृहस्थ के घर में मांस आदि का भक्षण कर रहा था तो उसे कबूतर का मसालेदार मांस बहुत भाया । उसने यह निश्चय किया कि क्यों न वह अपनी कुटिया में जाकर आस-पास के कबूतरों को पकड़ वैसा ही व्यंजन बनाए। दूसरे दिन तड़के ही वह मसाले, अंगीठी आदि की समुचित व्यवस्था कर तथा अपने वस्त्रों के अंदर एक मजबूत डंडे को छिपा कर कबूतरों के इंतजार में कुटिया की ड्योढ़ी पर ही खड़ा हो गया। कुछ ही देर में उसने रोमक के नेतृत्व में कई कबूतरों को कुटिया के ऊपर उड़ते देखा । पुचकारते हुए वह नीचे बुलाने का प्रलोभन देने लगा। मगर चतुर रोमक ने तभी उस कुटिया से आती हुई मसालों की खुशबू से सावधान हो अपने मित्रों को तत्काल वहां से उड़ जाने की आज्ञा दी। कबूतरों को हाथ से निकलते देख क्रोधवश रोमक पर अपने डंडे को बड़ी जोर से फेंका किन्तु उसका निशाना चूक गया। वह चिल्लाया, अरे! जा तू आज बच गया। तब रोमक ने भी चिल्ला कर उसका जवाब दिया, अरे दुष्ट! मैं तो बच गया किन्तु तू अपने कर्मों के फल भुगतने से नहीं बचेगा। अब तू तत्काल इस पवित्र कुटिया को छोड़ कहीं दूर चला जा वरना मैं बस्ती वालों के बीच तुम्हारा सारा भेद खोल दूंगा। रोमक के तेजस्वी वचनों को सुन वह पाखण्डी उसी क्षण अपनी कुटिया और गठरी लेकर वहाँ से कहीं और खिसक गया।

5 अंतर खोजें

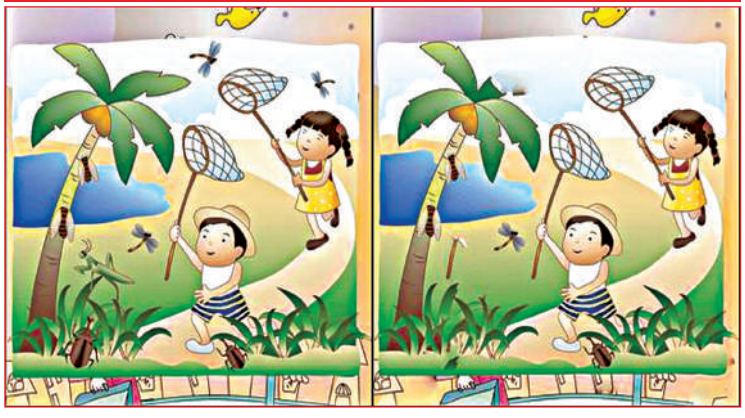

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है लेकिन बाद में माहौल ठीक हो जाएगा। पार्टनर से सोच समझकर मजाक करें, क्योंकि वह आपकी बात से नाराज हो सकती है।

वृषभ — सिंगल लोगों के लिए आज का दिन अच्छा नहीं होगा। आज रिलेशनशिप को आगे बढ़ा सकेंगे। आज आपके रोमांटिक मूड में रहेंगे। पार्टनर से आपको खूब प्यार मिलेगा।

मिथुन — आज ऑफिस में कार्यभार अधिक रहेगा। आज पार्टनर से रोमांस कर खुशी महसूस करेंगे। प्रेमी की तरफ से आप आपको उपहार मिल सकता है। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

कर्क — एक्स्ट्रा अफेयर शुरू होने की संभावना बन रही है। पार्टनर के साथ ज्यादा समय बीताने की कोशिश करेंगे। आज आप आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। संतान पक्ष से सुख मिलेगा।

सिंह — प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

कन्या — अपने पार्टनर की बात पर ध्यान दें। उसको इग्नोर ना करें। साथी से बेवजह बहस करने से बचें। इससे दोनों के बीच तनाव बढ़ सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें।

तुला — आज प्रेमी से सुख मिलेगी। तनाव को दूर करने के लिए बाहर घूमने जा सकते हैं। पार्टनर से रोमांस कर सकते हैं। किसी इंसान की और आप आकर्षित भी हो सकते हैं।

वृश्चिक — पति-पत्नी के लिए आज का दिन अच्छा होगा। सहयोगी से आकर्षण बढ़ेगा। किसी दोस्त से संबंध मजबूत हो सकते हैं। आज का दिन पार्टनर के साथ बाहर बिताएंगे।

धनु — यदि आप किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं तो आज आपको खूब रोमांस करने का मौका मिलेगा। आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है।

मकर — प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें। अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है। सिंगल लोगों की लाइफ में कोई खास इंसान आ सकता है।

कुम्भ — पार्टनर से बहस करने से बचें। आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकता है। आज के दिन लव लाइफ सामान्य रहेगी। सिंगल लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

मीन — आज आप किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन उत्तम है। आज आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है।

बालीवुड | छोटा पर्दा

अनुष्का सेन पर चढ़ी बेबाकी बोल्डनेस देख बेकाबू हुए फैंस

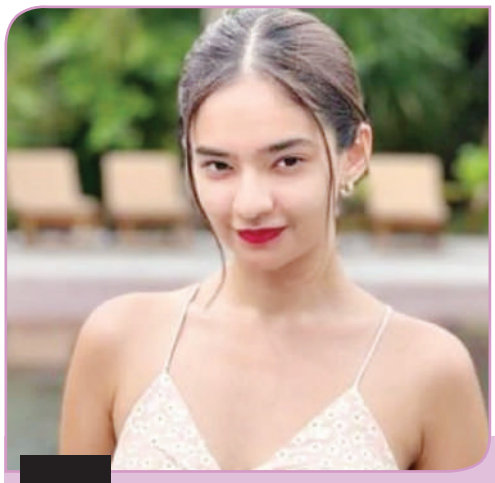

अनुष्का सेन आज अपनी बोल्डनेस के कारण सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर बाल कलाकार की थी. हालांकि वह काफी कम वक्त में ही इंडस्ट्री में एक खास पहचान हासिल कर चुकी हैं। अनुष्का ने न सिर्फ अपने अभिनय, बल्कि स्टाइलिश लुक्स से भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खूब खींचा है। वह अक्सर अपने चाहने वालों के बीच वह लुक्स के कारण चर्चा में बनी रहती हैं। लोग उनकी एक झलक के दीवाने रहते हैं। अक्सर फैंस को उनके लुक्स का इंतजार रहता है। यही कारण है कि अनुष्का के फॉलोअर्स की लिस्ट लगातार बढ़ती जा रही है। अनुष्का ने मजह 19 साल की उम्र में सोशल मीडिया पर तहलका मचाया हुआ है। ऐसे में अब अनुष्का ने अपने लुक से लोगों को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह हमेशा की तरह बेहद बोल्ड अवतार में नजर आ रही हैं। इनमें अनुष्का को फ्लोरल प्रिंट बॉडी फिट ड्रेस पहने दिखाई दे रही हैं। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए अनुष्का ने लाइट मेकअप किया है। यहां उन्होंने बालों को खुला ओपन रखा है। इन तस्वीरों में वह पूल किनारे हुस्न के जलवे बिखेर रही हैं। अपने इस पोस्ट में अनुष्का ने चार तस्वीरें शेयर की हैं, खास बात ये है कि हर फोटो में उनका अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। इस लुक में भी अनुष्का काफी बोल्ड और हॉट दिख रही हैं। अब अनुष्का के फैंस उनके इस लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस पर अब तक लाखों लाइक्स आ चुके हैं।

अब बॉलीवुड में धमाल मचाएंगीं रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार राजनीकांत की लाडली ऐश्वर्या राजनीकांत ने उस समय अपने सभी फैंस को चौंका दिया, जब उन्होंने अभिनेता धनुष से अलग होने का ऐलान किया था। अब एक बार फिर से ऐश्वर्या सुर्खियों में आ गई है। हालांकि इस बार ऐश्वर्या अपनी निजी जिंदगी नहीं, बल्कि प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं।

दरअसल, रजनीकांत की बेटी बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। साउथ इंडस्ट्री में अपने बेहतरीन अभिनय से करोड़ों दर्शकों का दिल जीत चुकीं ऐश्वर्या अब बॉलीवुड फिल्मों में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबित, ऐश्वर्या ओ साथी चल नामक हिंदी फिल्म को डायरेक्ट करने जा रही हैं। ऐश्वर्या रजनीकांत साउथ इंडस्ट्री में बतौर डायरेक्टर और सिंगर अपनी अच्छी खासी पहचान बना चुकी हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो ओ साथी चल एक सच्ची लव स्टोरी पर आधारित फिल्म होगी। ओ साथी चल की प्रोड्यूसर मीनू अरोड़ा हैं, जिनके साथ मिलकर ऐश्वर्या बॉलीवुड मूवीज में हाथ आजमाने आ रही है। वहीं मीनू अरोड़ा की तरफ से भी फिल्म को लेकर पुष्टि कर दी गई है। हालांकि उन्होंने कुछ भी और बताने से साफ इंकार कर दिया है, क्योंकि फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी नहीं हुई है।

गौरतलब है कि रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या पेशे ने फिल्म निर्माता-निर्देशक भी हैं। उन्होंने रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थ्री और कॉमेडी फिल्म वाई राजा वाई जैसी फिल्मों के निर्देशन से दर्शकों के बीच अपनी एक खास पहचान बनाई है। ऐश्वर्या और धनुष ने 2004 में शादी की थी और उनके दो बच्चे है।

रनवे 34- फिल्म का ट्रेलर रिलीज

35 हजार फीट की ऊंचाई में छिपे राज को खोलेंगे अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रनवे 34 को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म को लेकर फैंस में काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है। यूजर्स काफी लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे है। ऐसे में अब मेकर्स ने रनवे 34 का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर देखने के बाद अजय देवगन के इस अंदाज ने फैंस की बेसब्री बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना पर आधारित है। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। यूजर्स अभिनेता का ये अंदाज देखकर दीवाने हो गए हैं।

रनवे 34 में अजय को कैप्टन विक्रांत खन्ना और रकुलप्रीत सिंह को उनकी को-पायलट तान्या की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है। वहीं रनवे 34 में अमिताभ बच्चन एक वकील का रोल प्ले करते दिखाई दे रहे हैं, जो अजय देवगन को अपने सवालों में फंसा लेते हैं। फिल्म में दिखाए गए विजुअल्स काफी जबरदस्त लग रहे हैं। फिल्म में अजय देवगन, अमिताभ बच्चन और रकुलप्रीत सिंह के अलावा अंगिरा धर, बोमन ईरानी और अकांक्षा सिंह भी नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड | तड़का

यह कथित तौर पर 2015 में हुई एक वास्तवित घटना के ईर्द-गिर्द घूमती है। दिलचस्प बात यह है कि रनवे 34 अगले महीने 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्कत देने वाली है। इसके अलावा अजय देवगन की दो और फिल्में हैं, वह अगले साल रिलीज होगी।

अजब-गजब | जिसके बारे में जानकर दुनिया भी हैरान

पाकिस्तान में पहाड़ों से घिरी है ये रहस्यमयी जनजाति

पाकिस्तान में कई ऐसे रहस्य हैं जो अभी भी अनसुलझे हैं। पड़ोसी देश में दशकों से एक रहस्यमयी जनजाति रह रही है। हिंदू कुश पहाड़ों से घिरे स्थान पर कलाश नाम का समुदाय रहता है। इस समुदाय के लोगों का मानना है कि पहाड़ से घिरे होने के कारण उनकी संस्कृति सुरक्षित है। माना जाता है कि पाकिस्तान में पहाड़ों के बीच रहने वाली कलाश जनजाति की परंपराएं हिंदुओं की प्राचीन मान्यताओं से मिलती हैं। लेकिन उनकी शुरुआत कब हुई अभी तक यह रहस्य बरकरार है। इलाके में रहने वाली कलाश जनजाति की वहां के सबसे कम आबादी वाले अल्पसंख्यकों में गिनती होती है। हिंदू कुश पहाड़ों के बीच रहने वाले इस समुदाय के लोग बाहरी दुनिया से एकदम अलग-थलग रहते हैं। यहां के लोग पहाड़ों को काफी मान्यता देते हैं। यहां के पहाड़ की ऐतिहासिक मान्यता भी है। इसी इलाके में सिकंदर की जीत हुई थी जिसके बाद इसे कौकासोश इन्दिकौश के नाम से पुकारा जाने लगा। यूनानी भाषा में इसका अर्थ है हिंदुस्तानी पर्वत। इसकी वजह से कलाश समुदाय को सिकंदर महान का वंशज भी बताया जाता है। साल 2018 में पाकिस्तान में जनगणना के दौरान कलाश समुदाय को अलग जनजाति में जगह दी गई। इस जनगणना के मुताबिक इस समुदाय में 3800 लोग हैं। यह लोग मिट्टी, लकड़ी और कीचड़ से बने छोटे-छोटे घरों में रहते हैं। यहां पर किसी भी त्योहार के दौरान इस समुदाय की औरतें और मर्द एक साथ बैठकर शराब पीते हैं। इस मौके पर लोग बांसुरी और ड्रम बजाते हैं और नाचते-गाते हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की बहुसंख्यक आबादी की डर से इन मौकों पर भी साथ में पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र और अत्याधुनिक बंदूकें भी रखते हैं। कलाश जनजाति में घर चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं की होती है। यहां पर कमाने का अधिकतर काम औरतें करती हैं। भेड़-बकरियों को चराने का काम महिलाएं ही करती हैं। यहां की महिलाएं घर पर ही पर्स और रंगीन मालाएं बनाती हैं। उनके द्वारा बनाए सामान को पुरुष बेचते हैं। यहां की महिलाएं श्रृंगार करने की शौकीन होती हैं। महिलाएं सिर पर एक खास टोपी और गले में पत्थरों से बनीं माला पहनती हैं। यहां सालभर में तीन त्योहार मनाए जाते हैं। इन मौके पर लड़के और लड़कियां आपस में मुलाकात करते हैं। इस दौरान ही बहुत लोग एक दूसरे से शादी कर लेते हैं। अगर यहां पर महिला को कोई दूसरा पुरुष पसंद आ गया तो वह उसके साथ रह सकती हैं। महिलाओं और लड़कियों को अपना मनपसंद साथी चुनने की पूरी आजादी है। तो वहीं पाकिस्तान के बाकी इलाकों में महिलाओं को आजादी नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कलाश जनजाति की लड़की त्योहार के दौरान अपने मनपसंद लड़के के साथ चली जाती है और हफ्ता या महीने बाद लौटती है, तो मान लिया जाता है कि लड़की उस लड़के के साथ शादी करने के लिए राजी है और तब दोनों की शादी होती है।

प्लेन के टायर क्यों होते हैं इतने मजबूत वजन और स्पीड के बाद भी नहीं फटते

अक्सर गाड़ियों के टायर फट जाते हैं लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि हवाई जहाज के टायर इतने बड़े प्लेन के प्रेशर में भी क्यों नहीं फटते हैं। देखा जाता है जब प्लेन आसमान की ओर से रनवे पर उतरता है तो बहुत तेजी से उनके टायर जमीन पर गिरते हैं। इस दौरान प्लेन में बैठे लोगों को एक झटका भी महसूस होता है, जिससे अंदाजा लगाया जाता है कि इसका प्रेशर कितना अधिक होता है। जमीन पर गिरने के बाद ये टायर प्लेन की स्पीड और इतने बड़े प्लेन के प्रेशर को भी झेल जाते हैं और आसानी से आगे बढ़ जाते हैं। ऐसे में क्या कभी आपने सोचा है कि इन टायरों में ऐसा क्या खास होता है कि ये फटते नहीं हैं और अपने से हजार गुना बड़े प्लेन का वजन भी झेल लेते हैं। दरअसल, प्लेन के टायर हजारों पाउंड के वजन और तेज स्पीड को संभाल सकते हैं। इसके पीछे की वजह ये है कि ये खास तरह से बनाए जाते हैं। इन टायरों को बहुत मजबूती से बनाया जाता है। साथ ही इसमें नाइट्रोजन गैस भरी जाती है, जिसकी वजह से इसका संयोजन लैडिंग के समय कठोर परिस्थितियों में भी असरदार होता है। प्लेन के टायरों को सिंथेटिक रबर कंपाउंड्स के कॉम्बिनेशन के साथ बनाया जाता है। साथ ही ये एल्युमिनियम स्टील, नायलॉन के साथ भी जुड़े होते हैं। ये टायरों को मजबूती देने का काम करता है। यही वजह है कि काफी प्रेशर या दबाव होने के बाद भी ये टायर फटते नहीं हैं। टायरों में दबाव जितना अधिक होता है, टायर उतने ही मजबूत होते हैं, इसीलिए हवाई जहाज के टायरों को ट्रक के टायरों से दोगुना अधिक और कार के टायरों से छह गुना ज्यादा फुलाया जाता है। इससे विमान को सहारा देने के लिए अधिक ताकत मिलती है। इनकी साइज आदि इन्हें बनाते वक्त एयरक्राफ्ट के आधार पर तय की जाती है। हवाई जहाज के टायरों में नाइट्रोजन गैस भरी जाती है। नाइट्रोजन एक अक्रिय गैस है, इसलिए ज्यादा तापमान और दबाव परिवर्तन का प्रभाव इस पर बहुत कम होता है। वहीं इसे बनाते समय 38 टन तक के वजन के साथ टेस्ट भी किया जाता है।

कुशीनगर: जहरीली टॉफी खाने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत

» स्वजनों ने गांव के लोगों पर लगाया हत्या का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

» सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया, सहायता पहुंचाने के दिए निर्देश

4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। जिले के कसया थाने के सिसई टोला में आज सुबह जहरीली टॉफी खाने से एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई। सुबह बच्चे सोकर उठे और घर के बाहर निकले तो उन्हें दरवाजे पर टॉफियां व सिक्के मिले। बच्चों ने सिक्के और टॉफी उठा लिए। टॉफी खाने के बाद यह घटना हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताया है। स्वजनों ने गांव के कुछ लोगों पर हत्या

का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

स्वजनों ने बताया कि सुबह सात बजे बच्चे सोकर उठे और घर के बाहर आए तो दरवाजे पर टॉफी और सिक्के बिखरे मिले। बच्चों ने सिक्के टॉफी बटोर लिए। टॉफी खाते ही बच्चे अचेत हो गए। अस्पताल तक पहुंचते-पहुंचते उनकी मौत हो गई। टॉफियां इस कदर जहरीली थीं कि रैपर पर बैठ रही मक्खियों की भी मौत हो गयी थी। मृत बच्चों की पहचान रसगुल की पुत्री संजना छह वर्ष, स्वीटी तीन वर्ष, समर दो वर्ष और मायके आई रसगुल की बहन खुशबू के पुत्र आरुष पांच वर्ष के रूप में हुई है। बच्चे अनुसूचित जनजाति लठ परिवार के हैं। स्वजनों ने गांव के ही प्रेम, चौबस, बाला प्रसाद पर पुरानी रंजिश को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गए हैं। एसडीएम कसया वरुण कुमार पांडेय ने मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम के संबंध में जानकारी प्राप्त की। एसडीएम ने बताया कि मामले की गहनता से छानबीन कराई जा रही है। जांच के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर कारवाई होगी। बच्चों की टॉफी खाने से हुई मौत के मामले का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया। उन्होंने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जांच और पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

चित्रकूट घूमने आई युवती से सामूहिक दुष्कर्म

» पीड़िता ने दर्ज कराई नामजद रिपोर्ट, आरोपी फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। चित्रकूट घूमने आई युवती के साथ चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती ने पहाड़ी थाना में युवकों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी युवकों को युवती का परिचित बताया जा रहा है। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हैं जबकि युवती को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। यह घटना पहाड़ी थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप के पास की बताई जा रही है।

युवती के मुताबिक रविवार को वह चित्रकूट घूमने अकेले आई थी। विभिन्न धार्मिक स्थलों में घूमने के बाद घर लौटने के लिए सोमवार को दिन में 12 बजे कर्वी बस स्टैंड में खड़ी थी और बस का इंतजार कर रही थी। तभी फतेहपुर जनपद के धाता निवासी चार युवक दो बाइकों से आए। वे उसके परिचित थे। उन्होंने उसे भी अपने साथ बाइक में यह कहकर बैठा लिया कि घर छोड़ देंगे। वे दिन भर उसे कर्वी में ही घुमाते रहे। शाम को घर के लिए निकले। पहाड़ी में बक्टा पेट्रोल पंप के पास युवकों ने बाइकों को खड़ा कर दिया और लघु शंका को चले गए। काफी देर नहीं आए तो वह उनको बुलाने पहुंची। युवती का आरोप है कि चारों युवक उसको खींच कर खेत में ले गए और दुष्कर्म किया। विरोध पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए छोड़ कर चले गए। पहाड़ी थाना प्रभारी अजीत कुमार पांडेय ने युवती की तहरीर पर फतेहपुर धाता निवासी सुम्मू निषाद, गुलजारी लाल, राजाराम और दीपू के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। युवती शादीशुदा है अपने पति को वह छह साल पहले छोड़ चुकी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शपथ ग्रहण के बाद लोक संकल्प पत्र लागू करने पर होगा काम: सिद्धार्थनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता व इलाहाबाद पश्चिम विधान सभा से दूसरी बार जीत दर्ज करने वाले विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि शपथग्रहण के बाद भाजपा लोक संकल्प पत्र को लागू करने की दिशा में काम करेगी। 2017 में पार्टी ने जो संकल्प पत्र जारी किया था उसे पूरा किया। अब 2022 में भी जो वादा किया है उसे पूरा किया जाएगा। खासकर युवाओं, किसानों और महिलाओं को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएंगी।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान नवनिर्वाचित विधायक ने कैबिनेट में स्थान मिलने के प्रश्न पर कहा कि यह फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगा। शपथ ग्रहण के पहले पार्टी की ओर से पर्यवेक्षक गृह मंत्री अमित शाह भी लखनऊ आयेंगे। उनकी मौजूदगी में योगी आदित्यनाथ को विधायक दल का औपचारिक तौर पर नेता चुना जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में सपा मुखिया अखिलेश यादव के न शामिल होने के बयान पर कहा कि विपक्ष के नेताओं का इस समारोह में शामिल होना शिष्टाचार है। उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने भी 2017 में यह शिष्टाचार निभाया था।

अब बकाएदारों की खैर नहीं कटेगा बिजली का कनेक्शन

» दस हजार से ज्यादा के बकाएदारों के खिलाफ होगी कार्रवाई

» लेसा ने तैयार की लिस्ट, लखनऊ में हजारों उपभोक्ताओं ने नहीं जमा किया है बिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब बिजली बिल के बकाएदारों पर शिकंजा कसने की तैयारी है। लेसा ने राजधानी के बकाएदारों की लिस्ट तैयार करवाई है। इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सिस गोमती के मुख्य अभियंता विपिन जैन ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से सिस गोमती के अंतर्गत आने वाले बकाएदारों के कनेक्शन काटे जाएंगे। दस हजार रुपये से ज्यादा किसी का भी बिल बाकी है तो उनके कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए हैं। दिसंबर 2021 से बकाएदारों ने बिल जमा करने में आनाकानी शुरू कर दी थी, करीब चार माह से हजारों उपभोक्ताओं ने पूरा बिल जमा नहीं किया। इससे कई सौ करोड़

का बिल मध्यांचल के अंतर्गत आने वाले 19 जिलों पर बाकी है। अब ऐसे बकाएदारों की अधीक्षण अभियंताओं ने अपने सर्किल में लिस्ट बनवाई है। इनमें अपार्टमेंट, टाउनशिप व भारी लोड वाले उपभोक्ताओं को चिन्हित करके बकाया वसूलने के लिए अभियंता भेजे जा रहे हैं अगर मौके पर बिल जमा नहीं किया जा रहा है तो कनेक्शन काटे जाएंगे। शहीद पथ स्थित अंसल व ओमेक्स टाउनशिप की बिजली इसी क्रम में काट दी गई। अंसल पर करीब 13 करोड़ बाकी था और ओमेक्स पर करीब 1.73 करोड़ रुपये। बिल जमा नहीं करने पर कनेक्शन काट दिए जाएंगे।

गर्मी से राहत के आसार नहीं, 40 डिग्री पहुंच सकता है तापमान

» मौसम विभाग ने जारी किया अनुमान, लगातार बढ़ रहा पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च में पारा चढ़ता जा रहा है। मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान में बेहद तेजी से वृद्धि हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दस दिनों में उत्तर प्रदेश में 40 से 42 डिग्री तक तापमान दर्ज किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, जो गर्मी का मौसम अप्रैल के मध्य में होता था, वह इस बार मार्च के मध्य में देखने को मिल रहा है। इस दौरान औसत अधिकतम तापमान में अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसा बारिश की कमी के कारण है। मंगलवार को सबसे कम तापमान मुजफ्फरनगर में 16.0 डिग्री और नजीबाबाद में 16.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान सुल्तानपुर में 38.8 डिग्री, प्रयागराज

और वाराणसी में 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले दो वर्षों की अपेक्षा इस साल मार्च में तापमान में अधिक बढ़ोतरी देखी जा रही है। आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होगी। 21 मार्च 2020 में अधिकतम तापमान 29.0 डिग्री और 2021 में 32.0 डिग्री दर्ज किया गया था। 2022 में यह 39.0 डिग्री पर पहुंच गया है।

मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने को तैयार अखिलेश!

सदन में बढ़ेगी विपक्ष की ताकत | 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लोक सभा से इस्तीफा दे दिया है। वह आजमगढ़ से 2019 में चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। उन्होंने लोक सभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधान सभा में विपक्ष की भूमिका निभाने का फैसला किया है। सवाल यह है कि 2024 में लोक सभा चुनाव है फिर अखिलेश ने सांसदी क्यों छोड़ी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह, अरूणा सिंह, जयशंकर गुप्ता, प्रबल प्रताप शाही, डॉ. लक्ष्मण यादव, सुशील दुबे और अभिषेक कुमार ने परिचर्चा की।

शीतल पी सिंह ने कहा, इस बार विधान सभा में विपक्ष मजबूत है। एमएलसी चुनाव में जो हुआ है और जो हो रहा है, ऐसे में अखिलेश को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। अगर वापस आना है तो कमजोरी को दूर करना होगा। अरुणा सिंह ने कहा, यूपी के प्रति अखिलेश का खास लगाव है, वे जिम्मेदारी समझते हैं। और जनता ने जो जिम्मेदारी दी है, उसको निभाने को तैयार है। जयशंकर गुप्ता ने कहा बिहार में 1995 में विधान सभा चुनाव में लालू यादव की पार्टी ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की। नीतीश कुमार को गहरी निराशा मिली थी, सिर्फ सात या आठ विधायक जीते थे। हालांकि यूपी में वैसी स्थिति नहीं है, 125 विधायकों का साथ अखिलेश के साथ है। अखिलेश यूपी में दखल देंगे तो दो साल बाद होने वाले चुनाव में फायदा मिलेगा।

प्रबल प्रताप शाही ने कहा, अगर पांच वर्ष अखिलेश मैदान में रहेंगे तो फीडबैक सिस्टम दूर होगा। महंगाई, बेरोजगारी, एमएसपी जैसे कई मुद्दों पर संघर्ष करेंगे तो इसका लाभ भी आने वाले समय में जरूर मिलेगा। डॉ. लक्ष्मण यादव व सुशील दुबे ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सरकार गठन से पहले भगवान के दर पर विधायकों की हाजिरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तराखंड में नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले आज सभी भाजपा विधायक और पदाधिकारी महानगर स्थित विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसके अलावा दून में निवास करने वाले सांसद, प्रदेश पदाधिकारीगण, मेयर, महानगर पदाधिकारी, पार्षद, मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के पदाधिकारी और शक्ति केंद्र संयोजक भी पूजा-पाठ करेंगे। वह अपने निकटवर्ती मंदिरों में लोक कल्याण और प्रदेश की खुशहाली के लिए पूजा-पाठ करेंगे।

उत्तराखंड के टपकेश्वर में पूजा के बाद धामी ने गुरुद्वारा में की अरदास

वहीं मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले पुष्कर सिंह धामी ने टपकेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। इसके बाद रेसकोर्स स्थित गुरुद्वारा में मत्था टेका और प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की। वहीं मदन कौशिक भी मंदिर में मत्था टेकने पहुंचे। उधर, उत्तरकाशी जिले के बड़कोट में सुबह प्रदेश में पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व पुन: भाजपा सरकार लौटने पर यमुनोत्रीधाम के पुरोहित महासभा के अध्यक्ष पुरुषोतम उनियाल की अगुवाई में मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरशालीगाँव स्थित यमुना मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। धामी सरकार की नेतृत्व में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के साथ खुशहाली की कामना की गई। महानगर महामंत्री रतन सिंह चौहान ने बताया कि सिद्धपीठ प्राचीन शिव मंदिर धर्मपुर चौक में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजय वर्गीय, टपकेश्वर महादेव मंदिर में प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, सिद्धपीठ प्राचीन शिव मंदिर धर्मपुर चौक में संगठन महामंत्री अजय, गुरुद्वारा रेसकोर्स में प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, श्री झंडे जी साहिब जाएंगी सह प्रभारी रेखा वर्मा, श्री पृथ्वीनाथ मंदिर में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल पूजा करने के लिए निकल चुके हैं।

ट्वीट का अर्थ नहीं समझ पा रहे लोग, भीतर का पशु हो गया प्रबल : कुमार विश्वास

» कुमार विश्वास ने विरोधियों पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब चुनाव में आम आदमी पार्टी की ऐतिहासिक जीत के दिन यानी 10 मार्च को आप विधायक नरेश बाल्यान मशहूर कवि कुमार विश्वास को मिठाई खिलाने गाजियाबाद उनके आवास पर पहुंचे थे। वहीं बाल्यान के पहुंचने से पहले ही कुमार के घर पर तैनात पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद बाल्यान कुमार को बिना मिठाई खिलाए लौट गए।

वहीं पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद से ही कुमार विश्वास खामोश हैं। वह लगातार राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों पर अपने चुटीले अंदाज में ट्वीट करते रहे हैं, लेकिन फिलहाल खामोश हैं। इस बीच कुमार विश्वास अब इशारों-इशारों में अपने विरोधियों पर ट्वीट के जरिये हमला बोला है। इस ट्वीट में कुमार ने उन विरोधियों को निशाने पर लिया है, जो लालच को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे लोगों के लिए विश्वास ने कहा है कि इनके भीतर का पशु प्रबल हो गया है। वहीं, इंटरनेट मीडिया पर वायरल कुमार विश्वास के इस ट्वीट का अर्थ समझने में लोगों को माथापच्ची करनी पड़ी रही है। कुछ लोग इसे आम आदमी पार्टी पर तो कुछ इसे किसी निजी व्यक्ति पर हमला बता रहे हैं, लेकिन यह तंज पर किस पर कसा गया है, वह पता नहीं चल पा रहा है।

आजम खान के इस्तीफे से रामपुर में चढ़ा सियासी पारा

उपचुनाव में सपा के सामने सीट बचाए रखने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक बार फिर उप चुनाव होगा। दसवीं बार शहर विधायक चुने गए मोहम्मद आजम खां ने लोकसभा की सदस्यता से कल इस्तीफा दे दिया है। अब लोकसभा सीट पर होने वाले उप चुनाव में सपा के सामने अपनी सीट बचाए रखने की चुनौती होगी। यूपी विधानसभा चुनाव में शहर सीट से समाजवादी पार्टी ने इस दफा पार्टी के कद्दावर नेता एवं सांसद आजम खां को चुनावी मैदान में उतारा था।

दस मार्च को परिणाम आए तो दसवीं बार आजम खां को जनता ने फिर शहर विधायक चुन लिया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिदंदी भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना को 54 हजार वोटों से हरा दिया।

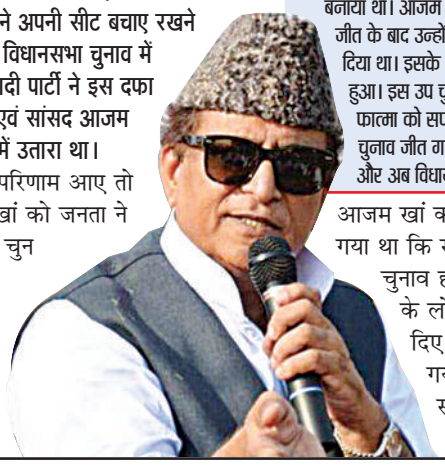

2019 में भी हुआ था उपचुनाव

2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भी रामपुर में उपचुनाव हुए थे। समाजवादी पार्टी ने 2017 में शहर से विधायक बने आजम खां को पार्टी ने 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रत्याशी बनाया था। आजम खां ने लोकसभा चुनाव जीत लिया। इस जीत के बाद उन्होंने शहर विधायक के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 2019 में ही शहर सीट पर उपचुनाव हुआ। इस उप चुनाव में आजम खां की पत्नी डा.तंजीन फातमा को सपा ने प्रत्याशी बनाया। डा.तंजीन फातमा चुनाव जीत गई थीं। आजम अभी लोकसभा सदस्य हैं और अब विधायक भी बन गए।

आजम खां की इस जीत के बाद यह तय हो गया था कि रामपुर में एक बार फिर उप चुनाव होगा। मंगलवार को आजम खां के लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिए जाने के बाद यह भी तय हो गया कि अबकी उप चुनाव विस सीट पर नहीं बल्कि, लोकसभा सीट पर होगा।

समाज से ही सुरक्षित रह सकेंगे कुटुंब और व्यक्ति : भागवत

कार्यक्रम में द कश्मीर फाइल्स फिल्म का भी किया जिक्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हमें सबसे पहले समाज को सुरक्षित करना चाहिए। समाज सुरक्षित नहीं रहने पर न तो कुटुंब सुरक्षित रहेगा और न ही व्यक्ति। कुटुंब और व्यक्ति, सभी समाज की ही इकाई हैं।

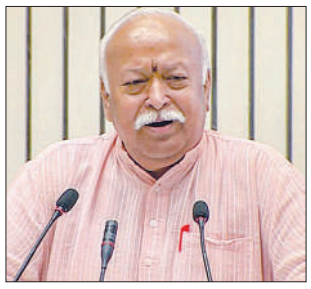

द कश्मीर फाइल्स फिल्म का जिक्र करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि यदि कश्मीरी पंडितों ने समाज को सुरक्षित किया होता तो उन्हें कश्मीर से बाहर नहीं आना पड़ता। तीन दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन मोहन भागवत योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में कुटुंब प्रबोधन कार्यक्रम के तहत संघ और विचार परिवार के सदस्यों और परिवार के लोगों को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने कहा कि अपने देश की परंपरा में समाज की महत्वपूर्ण इकाई कुटुंब है, न कि व्यक्ति। पाश्चात्य संस्कृति में व्यक्ति प्रमुख होता है, लेकिन हमारे यहां किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुटुंब से होती है। हम व्यक्ति तो हैं, लेकिन अकेले नहीं हैं। यह संरचना प्रकृति प्रदत्त है, इसलिए कुटुंब का सुरक्षित होना जरूरी है। कुटुंब सुरक्षित रखने के लिए भाषा, भोजन, भजन, भ्रमण, वेषभूषा और भवन के माध्यम से अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देते हुए कहा कि मेरा परिवार स्वस्थ, सुखी और सुरक्षित रहे, इसकी चिंता तो करे हीं, इसी प्रकार समाज की भी चिंता करनी होगी। सप्ताह में एक बार परिवार कुटुंब प्रबोधन करें। एक दिन साथ में सभी भोजन ग्रहण करें। हम कौन हैं, हमारे पूर्वज कौन हैं, रीति-रिवाज क्या हैं, हमें क्या करना चाहिए और क्या छोड़ना चाहिए, आदि विषयों पर चर्चा करें और एक मत होकर कार्य करें। संघ प्रमुख ने कहा संस्कृति की रक्षा कुटुंब की मजबूती से ही संभव है। जो देता है वह देव है और जो रखता है वह राक्षस की सीख विनोबा भावे को देने वाली उनकी मां का जिक्र करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि यह संस्कृति हमें कुटुंब से मिलती है।

और चाक-चौबंद होगा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, बढ़ाई जायेंगी पुलिस चौकियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बनाए रखने और दुर्घटना के समय त्वरित कार्रवाई के लिए 15 पुलिस चौकियों के लिए 255 पदों का सृजन किया गया है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने शासनादेश जारी कर दिया है। इसके मुताबिक हर चौकी में एक सब इंस्पेक्टर, 2 आरक्षी और 14 आरक्षी तैनात किए जाएंगे।

» हर चौकी में एक सब इंस्पेक्टर, 2 मुख्य आरक्षी और 14 आरक्षी

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर जो पुलिस चौकियां स्वीकृत की गई थीं, उसमें इटावा जिले के ऊसराहार थाना अंतर्गत कुदरैल चौकी, चौबिया थाने की नीबासई चौकी, आगरा के फतेहाबाद थाने की लुहारी पुलिस चौकी, डौकी थाने की नदौता चौकी, उन्नाव जिले के बांगरमऊ थाने की देवखरी चौकी, हसनगंज थाने की शाहपुर तोंदा चौकी और औरास थाने की दिपवल चौकी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त फिरोजाबाद जिले के नगला खंगर थाने की उरावर हस्तरफ चौकी व नसीरपुर थाने की हरगनपुर चौकी, कन्नौज के ठठिया चौकी, सौरिख चौकी व तालग्राम चौकी, काकोरी थाने की रेवरी चौकी, कानपुर आउटर के बिल्हौर थाने की गूजेपुर चौकी और मैनपुरी जिले करहल थाने की कुतुबपुर बुजुर्ग चौकी शामिल हैं।

होली और चुनाव के दौरान हुई घटनाओं पर गंभीरता से करें कार्रवाई : अवस्थी

अवनीश अवस्थी ने होली और चुनाव के दौरान हुई घटनाओं पर गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अवस्थी ने डीजीपी मुकुल गोयल के साथ वीसी के जरिए आने वाले त्योहारों, अपराध और कानून व्यवस्था को लेकर सभी रेंज, जोन और पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों के साथ बात कर रहे थे। अवस्थी ने अधिकारियों से कहा है कि हाल के दिनों में हुई प्रमुख आपराधिक घटनाएं जिनका खुलासा नहीं हुआ है उनका जल्द से जल्द खुलासा किया जाए। गंभीर अपराधों की समीक्षा कर संबंधित अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।